Gmail: delhitimesnews@gmail.com | दिल्ली टाइम्स न्यूज का प्रकाशन | सम्बद्ध: नेशनल मीडिया फेडरेशन, नई दिल्ली | RNI.No. 6609/1997

Delhi Times News मीडिया MEDIA www.delhitimesnews.com

लोकप्रिय

दिल्ली टाइम्स

जनता की निर्भीक आवाज

www.delhitimesnews.org

समर्पण समाज को

P-3

वर्ष : 30 ——अंक : 18 | नई दिल्ली, 4-10 मई 2026 | मूल्य: 2 रुपए | पृष्ठ: 04 | प्रधान संपादक : डॉ जसबीर आर्य | प्रभारी संपादक: अजीत स्वामी | हेल्प लाइन:9212412283

संक्षिप्त समाचार

विवेक विहार में चार मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 9 की मौत

नई दिल्ली (दिल्ली टाइम्स ब्यूरो): विवेक विहार में चार मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से इसमें एक डेढ़ साल के बच्चे सहित 9 लोगों की मौत हो गई और 15 लोगों को बचाया गया। दूसरी मंजिल से भड़की आग ने दूसरे और तीसरे फ्लोर को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने पर कुछ लोग जान बचाने के लिए ऊपर छत की तरफ भागे लेकिन, ऊपर का दरवाजा लॉक था। जिस वजह से लोग वहीं फंस गए और आग में झुलसने से उनकी मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें दो लोगों को चोट आई है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं, तीसरे परिवार की एक महिला की भी दम घुटने से मौत हो गई है। अग्निकांड ने एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों को खत्म कर दिया। हादसे में 60 वर्षीय अरविंद जैन, उनके बेटे 35 वर्षीय निशांक जैन और पोते डेढ़ वर्षीय आकाश जैन की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में अरविंद की पत्नी अनिता और निशांक की पत्नी आंचल की भी मौत हो गई। इमारत के चौथे फ्लोर पर बने फ्लैट में अरविंद जैन अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी अनिता जैन, बेटा निशांक, बहू आंचल और पोता अक्षय थे।

डीसीपी शाहदरा ने बताया कि 3:48 बजे पुलिस को सूचना मिली कि विवेक विहार स्थित चार मंजिला मकान बी- 13 में आग लगी है। दमकल व पुलिस टीमें मौके पर पहुंची। राहत और बचाव अभियान के दौरान इमारत से करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर दमकल की करीब 14 गाडिड्रों को भेजा गया। मौके पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीमें मौजूद रहीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत

डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग के साथ मिलकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस की फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाए हैं ताकि आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इमारत को फिलहाल सील कर दिया गया है। इसके अलावा प्रशासन इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या इमारत में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। फिलहाल लापरवाही की रिपोर्ट दर्ज की गई है दमकल विभाग की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चश्मदीद ने बयां किए हालात

हादसे के चश्मदीद व इसी बिल्डिंग में रहने वाले मयंक जैन ने बताया कि आग दूसरे फ्लोर पर करीब 3:15 बजे सुबह लगी थी। उनका परिवार अपर ग्राउंड फ्लोर पर रहता है। मयंक ने बताया कि जिस फ्लोर पर आग लगी उस फ्लोर पर रहने वाले निशांत जैन आग के बीच में से होकर मेरे अपर ग्राउंड फ्लोर पर भागते हुए आए। उन्होंने जोरों से दरवाजा और बेल बजा करके हमें जगाया, व कहा कि आग लगी है भागो, फिर परिवार और मयंक भागकर नीचे आए।

डीएनए से शवों की पहचान

आग लगने से दो से तीन शव इतनी बुरी तरह जल गए थे की उनकी बाइलोजीकल पहचान करना संभव नहीं हो पा रहा था। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है, चिकित्सकों का कहना है कि कुछ डेड बॉडी बुरी तरह से जली हैं कि उनकी पहचान होना मुश्किल है उनकी पहचान डीएनए जांच कराई जाएगी।

दूसरा बेटा गया था मानेसर

अरविंद का दूसरा बेटा दीपक जैन, पत्नी सोनाली और दो बेटों देव उर्फ अनंत जैन और रुद्राक्ष के साथ मानेसर गया हुआ था। दीपक पेशे से सीए और निशांक सीएस दोनों है।

पड़ोसी गुरदीप बने मददगार

आग के खौफनाक मंजर के बीच बी-12 में रहने वाले गुरदीप सिंह लोगों के लिए मददगार बन कर सामने आए। उन्होंने दो लोगों की जिंदगी बचाई और दमकल कर्मचारियों की मदद कर तीन और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बी12 में रहने वाले गुरदीप सिंह ने बताया कि वह अपने अपने घर में सोए हुए थे। आग लगने के बाद लोग अपनी बालकनी में आकर बचाने के लिए शोर मचाने लगे। गुरदीप सिंह को लगा की बाहर किसी का झगड़ा हो गया है। वह बाहर आए तो देखा कि बी13 में आग की लपटें उठ रही थी। लोग बचाने की गुहार लगा रहे थे।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र

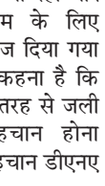

राम निवास

गुरुकुल शिक्षा आधुनिक युग में उस अनुपम निधि के समान है , जिसकी दुयुति से परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व चमत्कृत होता है। संस्कारों व अनुशासन की भट्टी मे छात्र कुंदन की तरह तैयार होकर समाज- व्यवस्था मे अपने दिव्य गुण स्वावलम्बन व स्वाभिमान की नींव रखता है।

आधुनिक युग भौतिकवादी है, इसमे नित बढ़ते आपराधिक मामले, नृशंश हत्याएं , नशाखोरी, भ्रष्टाचार व अपने कर्तव्यों के प्रति विमुखता की गर्म हवाएं प्रखर रूप में प्रवाहमान हो रही हैं ऐसे में छात्रों की रक्षा हेतु गुरुकुल शिक्षा पदधति ही 'रक्षा - कवच ' है। किसी भी राष्ट्र के भविष्य निमार्ता अगर सच्चे गुरुजन हैं तो उनके आदर्शों को समाज में फलीभूत करने का पूरा श्रेय इन युवाओं को है युवा ही प्रत्येक राष्ट्र के 'कर्णधार' होते हैं। इनके बाजुओं में ही आमूल-चूक परिवर्तन की क्षमता सन्निहित होती है। अवार्चीन युग में द्रुत गति से शिक्षा का स्वरूप रूपांतरित हुआ है। इस प्रतियोगिता के दौर में गुरुकुलीय शिक्षा को अद्धतन करते हुए छात्रों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। अवार्चीन व प्राचीन शिक्षा का अनूठा समिश्रण जहाँ एक ओर छात्रों में माता- पिता की सेवा, गुरुजनो का आदर, राष्ट्र के प्रति अनुराग, संस्कृति का पोषण, परहित चिंतन जैसे अनुपम गुणों का सतत विकास करती है, वहीँ दूसरी ओर आधुनिक शिक्षा के प्रारूप को आत्मसात करती हुई छात्र को 'प्रतियोगी युग ' में अग्रणीय भी बनाती है।

माता भद्रकाली जी का मेला आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है : खोजेवाल

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

कपूरथला:विरासती शहर के गावं शेखूपुर में स्थित माता भ्रद्रकाली का 79वां वार्षिक मेला 13 मई को बहुत श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाएगा और 12 मई को कपूरथला के शालीमार बाग से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी और शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए रात को लगभग दस बजे शेखूपुर स्थित माता भद्रकाली मंदिर में जाकर संपन्न होगी।इस सबंधी माता भ्रद्रकाली कमेटी के प्रधान परषोतम पासी,सुभाष मकरंदी,राहुल आनंद,बबलू सरपंच,कपिल शर्मा,राजिंदर शर्मा द्वारा भाजपा जिलाध्क्षय रणजीत सिंह खोजेवाल को माता भ्रद्रकाली के लगने वाले मेले और भव्य शोभायात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया।इस उपरांत खोजेवाल ने बताया कि माता भ्रद्रकाली के 13 मई को लगने वाले मेले के सबंध में 12 मई को कपूरथला के शालीमार बाग से निकाली जा रही भव्य शोभायात्रा में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता शामिल होकर माता भ्रद्रकाली जी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।इस उपरांत खोजेवाल ने कहा कि मेले हमारी परंपरागत संस्कृति की पहचान है। ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है। आस्था एवं श्रद्धा बढ़ती है। प्रेम से सामूहिक रूप से काम करने की प्रेरणा मिलती है।ये सभी हमारी ताकत हैं।इसलिए हमें शहर में इस तरह के होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेले सामाजिक सौहार्द को अक्षुण्ण रखने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि लोगों को एक दूसरे का सम्मान सभी समुदाय धर्म के प्रति आदर का भाव रखना चाहिए।उन्होंने कहा की माता भद्रकाली जी का मेला आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।खोजेवाल ने बताया कि माता भद्रकाली जी के दरबार जो श्रद्धालु सच्चे मन से मन्नत मांग कर जाता है माता भद्रकाली जी उसकी मनोकामना पूरी करती है।

माता भ्रद्रकाली मंदिर कमेटी के द्वारा भाजपा जिलाध्क्षय खोजेवाल को दिया माता भ्रद्रकाली जी के 79वें वार्षिक मेले और शोभायात्रा का निमंत्रण

भाजपा को कामयाब बनाने में हमारा योगदान

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्पों को साकार करने तथा भारतीय जनता पार्टी को पूरे भारत में मजबूत और सफल बनाने में क्राइम फ्री इंडिया ब्यूरो (CFIB),दिल्ली टाइम्स न्यूज (DTN), नेशनल मीडिया फेडरेशन (NMF), राष्ट्रीय महिला सेना (NWF), अखिल भारतीय आर्य युवक सभा ग्लोबल हेल्थ एंड मेडिकल कौंसिल (GHMC), विश्व आयुर्वेद अनुसंधान एवं विकास परिषद (WARDC) सहित हमारे सभी सहयोगियों और संस्थाओं का अतुलनीय योगदान है।

पत्रकारों-लेखकों का आहवान

प्रिय मीडिया बंधुओ! जय हिंद! आपको सूचित किया जाता है कि **NATIONAL MEDIA FEDRATION** यानि राष्ट्रीय मीडिया महासंघ "पत्रकारों का एक प्रगतिशील संगठन है" जिसकि स्थापना ऋषिकेश में 2004 को आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में की गई थी।

NATIONAL MEDIA FEDRATION का उद्देश्य प्रेस, टीवी, फिल्म और सोशल मीडिया से जुड़े हुए पत्रकारों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनो, संपादको को संगठित, सुरक्षित, कुशल बनाना तथा उनके मीडिया प्रतिष्ठानों को अपने से संबंध करना है ताकि हमारे यह जाँबाज मीडिया सैनिक लोकतंत्र की सुरक्षा, सेवा और अपनी पत्रकारिता की पेशेवर जिम्मेदारी और ड्यूटी को पूरी निर्भीकता से संपन्न कर सके।

- **NATIONAL MEDIA FEDRATION** (NMF)

प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के पत्रकारों की सुरक्षा का एक राष्ट्रीय मंच भी है।

- हमारा उद्घोष हम एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे! "मीडिया एकता जिंदाबाद"
- अत: मैं अपनी मीडिया भाई बहनों से निवेदन करता हूं कि आप किसी भी श्रेणी का अखबार या पत्रिका निकाल रहे हैं या आप अपना कोई यूट्यूब चैनल या न्यूज पोर्टल चला रहे हैं या आप पत्रकारिता के किसी भी स्ट्रीम का व्यवसाय कर रहे हैं तो आप हमारे" नेशनल मीडिया फेडरेशन" की सदस्यता अवश्य लें इसमें आपका हार्दिक स्वागत है।

निवेदक: डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)
(वरिष्ठ पत्रकार,लेखक एवं सोशल एक्टिविस्ट)
चेयरमैन,नेशनल मीडिया फेडरेशन,नई दिल्ली
www.nationalmediafederation.org
9968004686, 9868422283

पीड़ित पूर्वांचली परिवार की भावनाओं से आप कर रही खिलवाड़ : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (दिल्ली टाइम्स ब्यूरो): भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उत्तम नगर में पुलिसकर्मी की गोली से जान गंवाने वाले युवक के मामले में आम आदमी पार्टी के बयान व प्रदर्शन पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और सरकार जहां पीड़ित पूर्वांचली परिवार के साथ खड़ी है। वहीं दूसरी ओर आप नेता केवल नौटंकी प्रदर्शन एवं बयानबाजी करके पीड़ित परिवार की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं।

सचदेवा ने कहा कि आप ने रविवार को दुखद घटना पर प्रदर्शन किया, लेकिन इसमें आप का कोई वरिष्ठ नेता शामिल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में उन आप नेताओं के बयान भी जारी किये गए जो प्रदर्शन में शामिल भी नहीं थे। उन्होंने कहा कि से वाकई शर्मनाक है कि सांसद संजय सिंह व पूर्व मंत्री का बयान जोड़कर आप ने घड़ियाली आंसू बहाने का प्रयास किया है। सचदेवा ने विधायक अभय वर्मा के साथ कहा कि आम आदमी पार्टी का पूर्वांचल प्रेम केवल दिखावटी है और केवल जुबानी बयानबाजी तक सीमित है। उन्होंने कहा कि पहले दिन से आप नेता केवल बयानबाजी करके दिल्ली का महौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल पुलिसकर्मी पर हत्या का मामला दर्ज हुआ है और उसे सख्त सजा मिले यह भाजपा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के साथ ही दिल्ली सरकार ने भी पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की घोषणा की है। भाजपा एवं सरकार पूरी तरह से पीड़ित पूर्वांचली परिवार के साथ खड़ी है।

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

एनडीएमसी इलाके में पौधरोपण

ई दिल्ली (दिल्ली टाइम्स ब्यूरो): पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए एनडीएमसी ने बापू धाम एनडीएमसी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, चाणक्यपुरी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में केवल पौधारोपण ही नहीं हुआ, बल्कि नागरिकों की समस्याएं भी मौके पर ही सुनी गई। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने निवासियों और आरडब्ल्यूए के सदस्यों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा। इस अवसर पर सिविल, बिजली, रोड, सीवरेज, उद्यान विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लिया और पौधे लगाकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी ली। आसपास के बाजार के दुकानदारों ने भी पौधों को अपनाकर उनकी देखरेख का संकल्प लिया। इस प्रकार प्रत्येक पौधा जिम्मेदारी और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया।

इस अवसर पर चहल ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है, बल्कि यह एक भावनात्मक और सामाजिक जिम्मेदारी का आंदोलन है। जब हम पेड़ लगाते हैं, तो हम अपने भविष्य को सुरक्षित करते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी ने वर्षभर का एक ह्यहरित कैलेंडरह्न तैयार किया है, जिसके तहत प्रत्येक रविवार विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

NO ONLINE PRESENCE? NO BUSINESS!
In today's digital world, if you're not found online, you don't exist.
Keya IT Research Pvt Ltd
DWARKA BASED DIGITAL GROWTH PARTNER
WE HELP BUSINESSES GET FOUND, GET TRUSTED & GET MORE CUSTOMERS.
COMPLETE DIGITAL SOLUTIONS TO GROW YOUR BUSINESS
WEBSITE DESIGN | SEO | DIGITAL MARKETING | GOOGLE LISTING | LEAD GENERATION | BRANDING & PROMOTION
MORE VISIBILITY. MORE LEADS. MORE SALES. THAT'S OUR PROMISE!
100% FOCUSED ON YOUR GROWTH
STOP WAITING. START GROWING!
CALL / WHATSAPP NOW 8802083910
LIMITED ONBOARDING SLOTS – BOOK YOURS TODAY!
www.keyait.com | LET'S BUILD YOUR ONLINE SUCCESS STORY!
KEYA IT RESEARCH PVT LTD
Your Trusted Digital Marketing & Website Design Company in Dwarka, Delhi
EXPERT TEAM | AFFORDABLE PRICING | RESULT DRIVEN | TIMELY DELIVERY

मीडिया में जनसेवा भी - रोजगार भी
क्या आप एक सफल पत्रकार बनना चाहते है?
क्या आप जनता की आवाज बनना चाहते है?
क्या आप मीडिया में अपना भविष्य बनाना चाहते है?
क्या आप जनता की सेवा/ सहायता / सुरक्षा करना चाहते है?
यदि हाँ, तो DTN मीडिया की प्रैस, टी० वी० एवं साईबर समाचार एजेंसी में है आपके लिये निम्न प्रकार के कुछ सुनहरे अवसर जैसे:-

यदि आप पत्रकारिता सीखना चाहते है?
तो आप DTN की मीडिया एकेडमी में प्रवेश लेकर पत्राचार द्वारा घर बैठे 6 माह का पत्रकारिता प्रशिक्षण कोर्स उतीर्ण करें जिसका शुल्क काफी कम है। कोर्स पूरा करने के बाद आप चाहें तो DTN या अन्य मीडिया में PRESS REPORTER की Job भी कर सकते है जिससे आपको समाज सेवा के साथ -साथ रोजगार भी मिल सकेगा।

यदि आप एक अनुभवी व कुशल पत्रकार है
तो आप DTN मीडिया में निम्न पदों पर कार्य कर सकते है:- जैसे प्रैस रिपोर्टर, फ्रीलांसर-पत्रकार, लेखक, विज्ञापन प्रतिनिधि/प्रबंधक, कैमरा मैन / फोटोग्राफर, ब्यूरो चीफ, राज्य प्रभारी, मीडिया सलाहकार, उपसंपादक, सह सम्पादक या समाचार सम्पादक आदि के रूप मे जुडकर अपना कैरियर बना सकते है।

कृपया अधिक जानकारी के निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करे:-
Delhi Times News PRESS DTN
DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
Office: Plot No.4, chandra Park, (Opp. NSIT) Dwarka Mod Highway, New Delhi -110078
Helplines: 9868422283, 9968004686
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

NGO क्षेत्र में नाम, पावर व रोजगार
आप हमारे स्वयसेवक बनकर किसी बेसहारा, दु:खी, रोगी, अन्याय पीड़ित व्यक्ति की मदद या उसे न्याय दिलवाने वाले सामाजिक कार्यो में अपना कैरियर बनाए।
CRIME FREE INDIA BUREAU
The National Anti Crime Force
Website: www.crimefreeindiabureau.com E-mail: cfibforce@gmail.com

क्या आप प्रैस-रिपोर्टर बनना चाहते है?
यदि हाँ ! तो आप प्रतिष्ठित दिल्ली टाइम्स न्युज मीडिया में अपने इलाके के पत्रकार बनकर जनता की आवाज बुलंद करें:-
DELHI TIMES NEWS
The National Press & TV News Media
E-mail: delhitimesnews@gmail.com
Website: www.delhitimesnews.com

क्या आप एक WOMEN RIGHT ACTIVIST बनना चाहती है?
यदि हाँ ! आप हमारी महिला समाज सेविका बनकर बिखरी नारी शक्ति को संगठित और सशक्त करने में अपना भविष्य बनाये। अधिक जानकारी हेतू सम्पर्क करें:-
NATIONAL WOMEN FORCE / राष्ट्रीय महिला सेना

पत्रकारों/लेखकों का आहवान
नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) मीडिया व पत्रकारों की सुरक्षा, कल्याण, विकास, उन्नति व सेवा मे समर्पित एक शक्तिशाली राष्ट्रीय संगठन है। अत: आप नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) से स्वयं जुडे तथा औरो को भी जोडे साथ ही अपने जिले में नेशनल मीडिया फोर्स (NMF) की एक शाखा का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा व व्यक्तित्व को एक नई पहचान दें।
कृपया मीडिया फोर्स के प्रदेश/जिला/ब्लाक अध्यक्ष बनने हुते शीघ्र सम्पर्क करें:-
NATIONAL MEDIA FORCE
(पत्रकारों की एक राष्ट्रीय सेना)
Website: www.nationalmediaforceindia.com E-mail: mediaforceindia@gmail.com

मेडिकल पेशे मे प्रतिष्ठा और कैरियर दोनों
- क्या आप आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी या एलोपैथी चिकित्सा के कुशल व अनुभवी अनरजिस्टर्ड प्रेक्टिशनर हैं?
- क्या आप Paramedical कोर्स करना चाहते है? यदि हाँ, तो आप भारत सरकार, WHO व सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित प्राथमिक चिकित्सा में Certified Paramedical Practitioner (CPMP) बनकर अपनी सम्बंधित पैथी में खुलकर चिकित्सा अभ्यास/व्यवसाय करें। अत: अधिक जानकारी हेतु शीघ्र सम्पर्क करें।

GLOBAL HEALTH & MEDICAL COUNCIL
वैश्विक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा परिषद
(Established Under the Central Law of ITA 1882 Vide Regd. 2570)
To Promote Quality Education, Research & Training in the Field of Health Care, Ayush, Paramedical Alternative Medicines, Traditional Therapies & Modern Medical System for disease free world
कृपया उपरोक्त संगठनों से संबंधी और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्न पते पर शीघ्र सम्पर्क करें:
पंजीकृत कार्यालय: प्लाट न० 4, चन्द्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे (NSIT के सामने) नई दिल्ली-110078
प्रशासनिक कार्यालय:- प्लाट न० 3, हरि विहार, (मैट्रो पिलर न० 811 के सामने) द्वारका मैट्रो स्टेशन, नई दिल्ली:110078
हेल्पलाईन: 09868422283, 08368744424, 09212412283
मिलने का समय प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक/ रविवार अवकाश (कृपया आने से पूर्व सूचित करें)

संपादकीय

डॉ. जसबीर आर्य (Ph.D)

प्रचंड बहुमत के बावजूद विश्वास मत!

आमतौर पर नवगठित सरकार ही सदन में विश्वास मत हासिल करती है या फिर राजनीतिक उठा-पटक के बीच किसी सरकार को सदन में बहुमत हासिल करने के लिए कहा जाता है लेकिन पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी यानी आप सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर विश्वास मत हासिल किया। 117 सदस्यीय विधानसभा में जब आप के 94 विधायक हैं, तब उसकी सरकार के बहुमत पर किसे संदेह रहा होगा? दरअसल इस कदम से मान सरकार ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है।

2022 में प्रचंड बहुमत से पंजाब में सत्तारूढ़ हुई 'आपइ में सब कुछ सामान्य तो अरसे से नहीं चल रहा, पर हाल ही में 10 में से 7 राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल हो जाने से शायद मान सरकार का आत्मविश्वास डगमगा गया है। इनमें से 6 सांसद पंजाब से हैं। इनमें शामिल राघव चड्ढा और संदीप पाठक की पंजाब में 'आपइ की चुनावी सफलता में महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका भी रही। जाहिर है, बेहतर संभावनाएं देख कर बड़ी संख्या में दूसरे दलों से भी 'आपइ में नेता आए। इसलिए उनकी निष्ठा की बाबत कोई खुशफहमी आप नेतृत्व को भी नहीं होगी।

दिल्ली की सत्ता पिछले साल विधानसभा चुनाव में गंवा चुकी 'आपइ पंजाब की सत्ता भी खो देने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। जाहिर है, फैसला तो अगले साल पंजाब के मतदाता ही करेंगे लेकिन एक दिन के विशेष सत्र में विश्वास मत हासिल कर मान सरकार और 'आपइ ने अपने डगमगाते आत्मविश्वास को बचाने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए माहौल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत की वृद्धि का फैसला स्वागत योग्य है, पर उसका चुनावी असर अगले साल चुनाव ही बताएंगे। समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि विश्वास मत हासिल कर चुकी सरकार के विरुद्ध 6 माह तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता लेकिन इसे आप विधायक दल में अनंतकाल तक एकता की गारंटी नहीं माना जा सकता।

भाजपा में शामिल हुए 'आपइ राज्यसभा सांसदों में से किसी का भी जनाधार नहीं है। ऐसे में उनके आगामी विधानसभा चुनाव में 'गेम चेंजरइ साबित होने की गलतफहमी खुद भाजपा को भी नहीं होगी लेकिन वे विधायक दल में विभाजन की कोशिश अवश्य कर सकते हैं। अनेक 'आपइ विधायकों को टिकट दिलवाने में राघव चड्ढा और संदीप पाठक की भूमिका रही थी, इसलिए कुछ विधायक तो उनके साथ पाला बदलने की बाबत सोच ही सकते हैं। खुद इन सांसदों का दलबदल बताता है कि नेता दल की बजाय अपना ही सगा होता है। ऐसे में आगामी चुनावों में जीत की बेहतर संभावनाओं के आधार पर भी कुछ 'आपइ विधायक पाला बदल कर अपनी सुविधानुसार कांग्रेस, भाजपा या शिरोमणि अकाली दल का रुख कर सकते हैं।

जाहिर है, 94 विधायकों में विभाजन के लिए जरूरी दो-तिहाई का आंकड़ा आसान नहीं लेकिन अगर जोड़-तोड़ ने रफ्तार पकड़ी तो राजनीतिक उठा-पटक के बीच राज्यपाल 6 महीने की अवधि में भी मान सरकार को विधानसभा में बहुमत साबित करने का निर्देश दे सकते हैं। ऐसे में विशेष सत्र बुला कर हासिल किया गया विश्वास मत मान सरकार की सुरक्षा की असीमित गारंटी हरगिज नहीं है। दरअसल दिल्ली में सरकार गिरते ही 'आपइ संयोजक अरङ्कषवद केजरीवाल को पंजाब में भावी चुनावी चुनौतियों का अहसास हो गया होगा। इसीलिए कथित चुनावी धांधलियों को मुद्दा बना कर दिल्ली में माहौल बनाने की कोशिश करने की बजाय उन्होंने पंजाब पर फोकस करना शुरू कर दिया।

इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के मतदाताओं ने बड़ी उम्मीदों से 2022 में 'आपइ को सत्ता सौंपी थी लेकिन उन पर खरा उतरने का दावा शायद ईमानदारी से 'आपइ भी नहीं कर पाएगी। न तो नशे का कारोबार रुका, न कानून-व्यवस्था सुधरी। कृषि से ले कर उद्योग जगत तक की चुनौतियां भी घटी तो हरगिज नहीं। शिक्षा, सेहत से ले कर रोजगार तक का हाल भी बुरा ही है।

उम्र सिर्फ लंबी नहीं, सक्रिय व सम्मानजनक भी होनी चाहिए

वैद्यराज शालिग्राम
विद्यावाचस्पति

यह चर्चा अक्सर होती है कि क्या मनुष्य उम्र का घटना या बढ़ना नियंत्रित कर सकता है और जहां तक संभव हो, मृत्यु को टाल सकता है? खबर है कि रूस के वैज्ञानिक ऐसे तरीके खोज रहे हैं कि 150-200 वर्ष तक जिया जा सकता है।

मृत्यु ही जीवन को मूल्य देती है : आज जब रूस, अमरीका, जापान और कई अन्य देशों में वैज्ञानिक उम्र बढ़ाने, बुढ़ापा देर से आने और कोशिकाओं की मुरम्मत करने पर काम कर रहे हैं, तब यह केवल विज्ञान का विषय नहीं रह जाता-दर्शन, नैतिकता, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संतुलन का प्रश्न भी बन जाता है। जन्म और मृत्यु प्राकृतिक चक्र है, जिसमें शरीर एक माध्यम है। इसीलिए गीता में कहा गया है कि मृत्यु केवल चोला बदलना मात्र है। बात सही भी है लेकिन हमेशा से यही खोज का विषय रहा है कि क्या अंत समय का ज्ञान केवल ईश्वर को ही है और विज्ञान इसमें कुछ नहीं कर सकता? भारतीय दर्शन से लेकर यूनानी ङ्कषचतन तक में, मृत्यु को अंत नहीं बल्कि व्यवस्था का हिस्सा माना गया है। यदि मनुष्य इस चक्र को बदलने लगे तो क्या यह कुदरत के काम में दखलंदाजी माना जाएगा?

हमारे पौराणिक ग्रंथों में यह उल्लेख मिलता है कि लोग हजारों वर्ष तक जीते थे, अनेकों ने इच्छामृत्यु जैसे वरदान प्राप्त किए हुए थे और यही नहीं, उनकी मृत्यु किसी भी रूप में संभव नहीं थी, परंतु किसी न किसी प्रकार से उन्हें मरना ही पड़ता था। कहते हैं कि जब कौरवों और पांडवों का युद्ध हुआ, तब उनकी आयु 60-70 से अधिक थी। कृष्ण की आयु 125 वर्ष थी और भीष्म की तो सैंकड़ों वर्ष थी। अपना इच्छित वरदान पाने के लिए तपस्या में लीन रहने में ही न जाने कितनी शताब्दियां निकल जाती थीं। इसका अर्थ यह है कि भारत में उस समय चिकित्सा विज्ञान और रोग निदान तथा शरीर को बीमारियों से पीड़ित न होने देने के लिए बहुत शानदार व्यवस्था थी।

शरीर को रोगमुक्त बनाए रखने की कला ही अधिक समय तक जीवित रहना संभव बना सकती है। मृत्यु पर वश न हो, पर स्वस्थ रहकर जीवन जीना अपने हाथ में है। वैज्ञानिक इसी बात पर शोध कर रहे हैं कि कैसे इंसान मृत्यु पर विजय तो नहीं लेकिन उसे एक स्वाभाविक प्रक्रिया बना सकता है। इसका अर्थ यह है कि यदि विज्ञान कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग या वृद्धावस्था से जुड़ी पीड़ा कम करता है, तो यह मानव कल्याण है। कुछ शोधों का उद्देश्य है :

-कोशिकाओं की हानि पहुंचने की गति धीमी करना।

-मस्तिष्क को नुकसान से बचाना।

-रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाकर शरीर को युवा बनाए रखना।

-उम्र से जुड़ी बीमारियों को टालना।

उद्देश्य यह है कि सिर्फ लंबी उम्र नहीं, बल्कि सक्रिय उम्र, जहां 80 वर्ष का व्यक्ति भी 50 जैसा स्वस्थ रह सके। कुछ लोगों का मानना है कि यदि मृत्यु देर से होती है और मनुष्य स्वस्थ बना रहता है तो खाने-पीने के संकट से लेकर रोजगार और सब से बड़ा यह है कि पीढ़ियों का टकराव एक भीषण समस्या बन जाएगा। इसी के साथ यदि राजनीतिक या आर्थिक रूप से शक्तिशाली लोग दशकों तक जीवित और प्रभावशाली रहें, तो नई पीढ़ी के लिए अवसर सीमित हो सकते हैं। प्रश्न यह भी है कि यदि मृत्यु बहुत दूर चली जाए, तो क्या जीवन के उद्देश्य बदल जाएंगे? भारतीय परम्परा में 'दीर्घायुइ की कामना है-'शतायु भवइ,ं अर्थात लंबा जीवन तब तक मूल्यवान है जब तक वह संतुलित, उपयोगी और नैतिक हो।

उम्र बढ़ना नहीं, अस्वस्थ बुढ़ापा समस्या : मनुष्य सदियों से अधिक जीने की कामना करता आया है। कभी तपस्या से, कभी आयुर्वेद से, कभी विज्ञान से और अब आधुनिक जैव-प्रौद्योगिकी से। दुनिया भर में उम्र बढ़ाने, बुढ़ापा धीमा करने और जीवन को लंबा करने पर शोध हो रहा है। परंतु असली प्रश्न यह नहीं कि मनुष्य कितने वर्ष जी सकता है, बल्कि यह कि वह कैसे जी रहा है। यदि जीवन केवल सांसों की संख्या बनकर रह जाए, यदि बढ़ती उम्र के साथ शरीर अशक्त, मन अकेला, जेब खाली और समाज उपेक्षित कर दे, तो ऐसी लंबी आयु वरदान नहीं, कई बार बोझ बन जाती है। सच यही है कि लंबी उम्र से अधिक महत्वपूर्ण स्वस्थ, शिक्षित, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन है। प्रकृति ने उम्र बढ़ने पर कोई पाबंदी नहीं लगाई। चिकित्सा विज्ञान भी अब जीवनकाल बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन यदि समाज शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था नहीं करेगा, तो बढ़ती उम्र एक गंभीर मानवीय संकट बन सकती है। एक व्यक्ति, जिसने जीवन भर परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए योगदान दिया, यदि वही बुजुर्ग इलाज के लिए दर-दर भटके, पैंशन या आर्थिक सुरक्षा से वंचित हो, परिवार पर 'बोझ समझा जाए, मानसिक अवसाद और अकेलेपन में जिए तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक विफलता है। ऐसी स्थिति सचमुच जीते जी मर जाने जैसी है। यदि व्यक्ति को कम उम्र से ही यह सिखाया जाए कि स्वास्थ्य कैसे बनाए रखें, भोजन कैसा हो, व्यायाम क्यों जरूरी है, मानसिक संतुलन कैसे रखें और सबसे जरूरी यह कि अपनी कमाई की व्यवस्था ऐसी करें कि कभी किसी के सामने हाथ फैलाने या कुछ मांगने की नौबत न आए। यदि इसका ध्यान जवानी में ही रख लिया गया तो बुढ़ापा अचानक आने वाली विपत्ति नहीं, बल्कि तैयारी के साथ आने वाला जीवन चरण बन सकता है। जब बुजुर्ग व्यक्ति अपनी जमा पूंजी दवाओं, ऑप्रेशन और अस्पतालों में खो देता है, तब बीमारी केवल शरीर नहीं तोड़ती, पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से टूट जाता है।

हमारे पौराणिक ग्रंथों में यह उल्लेख मिलता है कि लोग हजारों वर्ष तक जीते थे, अनेकों ने इच्छामृत्यु जैसे वरदान प्राप्त किए हुए थे और यही नहीं, उनकी मृत्यु किसी भी रूप में संभव नहीं थी, परंतु किसी न किसी प्रकार से उन्हें मरना ही पड़ता था। कहते हैं कि जब कौरवों और पांडवों का युद्ध हुआ, तब उनकी आयु 60-70 से अधिक थी। कृष्ण की आयु 125 वर्ष थी और भीष्म की तो सैंकड़ों वर्ष थी। अपना इच्छित वरदान पाने के लिए तपस्या में लीन रहने में ही न जाने कितनी शताब्दियां निकल जाती थीं।

भारत दिखावा नहीं कर सकता कि युद्ध ने देश को प्रभावित नहीं किया

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
मोबाइल:9821510040

यू.एस. -इसराईल का ईरान के खिलाफ युद्ध कोई दूर का युद्ध नहीं है। यह पश्चिम एशिया में है, जो भारतीय उपमहाद्वीप का पड़ोसी है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रहते हैं और काम करते हैं। लाखों भारतीय शिया मुसलमानों का ईरान के लोगों के साथ गहरा बंधन है। भारत ने पारंपरिक रूप से ईरान के साथ एक लंबे और ऐतिहासिक संबंध का दावा किया है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने ईरान के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और आर्थिक संबंधों का भी दावा किया है। इसका एक उदाहरण चाबहार बंदरगाह का विकास है। भाजपा सरकार के तहत वे दावे कमजोर हुए हैं। इसका एक कारण इसराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच गहरी दोस्ती है।

अब और जरूरत नहीं : पुराने अच्छे दिनों में, किसी संघर्ष की स्थिति में भारत सबसे अधिक मांग वाला शांतिदूत होता। हालांकि, इस बार, जब से 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू हुआ है, अमरीका और इसराईल दोनों ने जानबूझकर भारत से दूरी बनाए रखी है। यह ईरान ही है, जिसने समय-समय पर भारत को 'ब्रीफिंग देने का एक सिलसिला बनाए रखा है। भारत इसराईल के प्रति पक्षपाती रहा है-ताजा प्रकरण इसराईल की आलोचना करने वाले ब्रिक्स देशों के मसौदा प्रस्ताव पर भारत का वीटो है। इसके बावजूद, अमरीका-इसराईल धुरी ने भारत को 'बाहरइ रखा और इसकी बजाय पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में चुना।

भारत अब यह दिखावा नहीं कर सकता कि पश्चिम एशियाई युद्ध ने देश को प्रभावित नहीं किया है। इसने दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है, विशेष रूप से उन देशों को, जिनके वैश्विक व्यापार, वैश्विक आपत्ति श्रृंखलाओं और समुद्री हितों में महत्वपूर्ण दाव लगे हैं। आइए 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने के बाद से कुछ भारतीय आर्थिक संकेतकों पर नजर डालें :

दुनिया राष्ट्रपति ट्रम्प के झांसे और शेखीबाजी से परिचित है। किसी ने भी उन पर विश्वास नहीं किया, जब उन्होंने दावा किया कि ईरान की वायु सेना और नौसेना को मिटा दिया गया है, या अब कोई ईरानी सैन्य संपत्ति नहीं बची, या ईरान में 'शासनइ बदल गया है (एक या दो बार), या अमरीकी मसौदा प्रस्तावों को ईरान ने स्वीकार कर लिया है, या वहां (अलग-अलग समय पर) युद्धविराम था। ट्रम्प युद्ध को रोकते हैं, फिर से शुरू करते हैं और फिर विराम की घोषणा करते हैं। इस बीच, इसराईल ईरान और लेबनान पर हमले जारी रखता है और ईरान जवाबी कार्रवाई करता है। दुनिया जानती है कि जो युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था, वह कभी नहीं रुका।

सब कुछ सामान्य नहीं : सरकार का दावा है कि 'सब सामान्य हैइ। आर.बी.आई. युद्ध की लागत और परिणामों के प्रति अधिक जागरूक लगता है। अपने अप्रैल बुलेटिन में, आर.बी.आई. ने 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबावइ, 'ईंधन और भोजन से प्रेरित सी.पी.आई. मुद्रास्फीतिइ, 'बॉन्ड यील्डइ, 'आयात में मंदीइ और 'अस्थिर एफ.आई.आई. प्रवाहइ की ओर इशारा किया और चेतावनी दी कि 'यदि संघर्ष जारी रहता है और आपूर्ति श्रृंखलाएं जल्द बहाल नहीं होतीं, तो यह घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है। पैट्रोल और डीजल की कीमतों को बनाए रखने के अलावा (संभवतः चुनावों के कारण), सरकार ने बहुत कम किया है। ऐसा लगता है कि सरकार एक मूक दर्शक बनी हुई है और घटनाओं को घटते देख रही है, इस मौन प्रार्थना के साथ कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को झुलसा न दें।

भारत के लोग लचीले और सहनशील हैं। वे जानते हैं कि वे सरकार से बहुत कम मदद की उम्मीद कर सकते हैं। वे अपनी नौकरियों और आय की रक्षा के लिए चिंतित हैं। एल.पी.जी. की उच्च कीमत और आपूर्ति की अनिश्चितता का सामना करते हुए, घरों और भोजनालयों ने जलाऊ लकड़ी का उपयोग करना शुरू कर दिया है। औसत परिवार ने खपत में कटौती की है और अपनी बचत का उपयोग किया है। सतह पर, कोई व्यवधान या हताशा नहीं दिखती लेकिन ग्रामीण इलाकों में यात्रा करते समय देखा जा सकता है कि लोग ङ्कषचतित हैं। प्रधानमंत्री पूरी तरह से 4 राज्यों के विधानसभा चुनावों और सितम्बर 2023 में संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण विधेयक को फिर से लागू करने के शरारतपूर्ण अभियान में डूबे हुए हैं। वे 5 मई के बाद शासन की ओर लौट सकते हैं।

दुनिया राष्ट्रपति ट्रम्प के झांसे और शेखीबाजी से परिचित है। किसी ने भी उन पर विश्वास नहीं किया, जब उन्होंने दावा किया कि ईरान की वायु सेना और नौसेना को मिटा दिया गया है, या अब कोई ईरानी सैन्य संपत्ति नहीं बची, या ईरान में 'शासनइ बदल गया है (एक या दो बार), या अमरीकी मसौदा प्रस्तावों को ईरान ने स्वीकार कर लिया है, या वहां (अलग-अलग समय पर) युद्धविराम था। ट्रम्प युद्ध को रोकते हैं, फिर से शुरू करते हैं और फिर विराम की घोषणा करते हैं।

सरकार और अधिक कर सकती है : सरकार लोगों के जीवन को आसान बनाने और आय बढ़ाने के लिए और भी बहुत कुछ कर सकती है :

-यह मनरेगा के तहत मजदूरी के बकाया का भुगतान कर सकती है और उस कार्य-कार्यक्रम को फिर से शुरू कर सकती है जो राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को निरस्त करने और कथित तौर पर फिर से लागू किए जाने के बाद से अधर में है।

-ग्रामीण सड़क कार्यक्रम (पी.एम.जी. एस.वीई.) में तेजी लाई जा सकती है और 2026-27 में आबंटित 19,000 करोड़ रुपए 6-8 महीनों में खर्च किए जा सकते हैं (2025-26 में बिना खर्च किए गए 6,871 करोड़ रुपए के विपरीत) और अधिक पैसा आबंटित किया जा सकता है।

-2025-26 में, पेयजल मिशन (जल जीवन) के लिए बजट अनुमान 67,000 करोड़ रुपए था लेकिन संशोधित अनुमान निराशाजनक 17,000 करोड़ रुपए था। 2026-27 के लिए 67,670 करोड़ रुपए का बजटीय खर्च समय से पहले किया जा सकता है और राज्य सरकारों को धन तुरंत जारी किया जा सकता है।

-कोविड महामारी के दौरान किए गए वादे (जिसे तोड़ा गया था) के विपरीत, सरकार को एम.एस.एम.ई. को ऋण देने में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए स्पष्ट रूप से एक राशि निर्धारित करनी चाहिए और बैंकों को ऋण जल्दी वितरित करने का निर्देश देना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र को फिर से सक्रिय किया जा सके जो अभी भी संकट में है।

प्रोपेगंडा के रूप में सिनेमा

अजीत स्वामी
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,
नेशनल मीडिया फेडरेशन
मोबाइल:9810258654

1920 के दशक में चलचित्रों के आगमन से लेकर आज के ओ.टी.टी. तक, गतिशील छवि पीढ़ियों से एक विलक्षण स्थिरांक बनी हुई है और विस्तार से कहें तो, यह अब तक का सबसे शक्तिशाली जन-प्रभाव उपकरण है। एक सदी से अधिक समय से, जहां अन्य माध्यमों का उदय हुआ और वे पतन की ओर गए, वहीं सिनेमा का पर्दा परिवारों और युवाओं दोनों को अपने मोह में बांधे हुए है, एक सांझा अनुष्ठान जो मात्र पलायनवाद से परे है।

पहली बार, एक विचार को, चाहे वह कितना भी राजनीतिक क्यों न हो, एक मानवीय चेहरा, एक उत्साहवर्धक संगीत और एक कथा चाप दिया जा सकता था, जो निर्देश नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव जैसा महसूस होता था। एक प्रचारक अब सहानुभूति को हथियार बना सकता था, एक मनगढ़ंत वास्तविकता को मूर्त रूप देने के लिए काल्पनिक पात्रों का निर्माण कर सकता था, जिससे एक अमूर्त विचारधारा एक सहज सच्चाई की तरह महसूस हो।

जब अन्यत्र तकनीकी नवाचारों की खोज की जा रही थी, तब एडोल्फ हिटलर और उनके प्रोपेगंडा मंत्री जोसेफ गोएबल्स, उन पहले लोगों में से थे, जिन्होंने वास्तव में यह समझा कि फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राज्य के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र है। नाजी रीच मिनिस्ट्री फॉर पब्लिक एनलाइटेनमैंट एंड प्रोपेगंडा के भीतर एक समर्पित फिल्म विभाग-रीच चैंबर ऑफ फिल्म, जिसे संक्षिप्त में आर.एफ.के. कहा जाता है, की स्थापना ने यह माना कि एक राष्ट्रवादी विचार, जिसे सिनेमा की भावनात्मक भव्यता में प्रस्तुत किया जाता है, वह आलोचना को दरकिनार करके सीधे जनता की आत्मा में स्थापित हो सकता है।

नाजी मशीन से लड़ने वाले मित्र राष्ट्रों ने भी इस उपकरण की उपयोगिता को अपने लिए पहचाना। शीत युद्ध में जकड़े सोवियत और अमरीकियों ने इस तकनीक के लाभों को बस विभाजित कर लिया और सेल्युलाइड के माध्यम से एक द्विआधारी दुनिया का निर्माण किया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की सरल, भयावह छवियां बनाईं। अमरीकी सिनेमा में, कम्युनिस्ट घुसपैठ के डर को एक एलियन आक्रमण की कथा के रूप में छिपाया गया था, जबकि सोवियत फिल्मों ने समाजवादी सद्गुण के एक संकेतक के रूप में सामूहिक तकनीकी प्रगति का बखान किया।

अमरीका में, संस्कृति और राज्य-कौशल के इस भाईचारे को एक औद्योगिक कला रूप में पूर्ण किया गया जिसे दुनिया हॉलीवुड के नाम से जानती है। अनगिनत ब्लॉकबस्टर्स के माध्यम से, अमरीकी मरीन कॉर्प्स का महिमामंडन किया गया, जिसने वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान में जटिल, बहु-कारक संघर्षों को साधारण नैतिकता नाटकों में बदल दिया है, जहां अमरीकी सैनिक त्रस्त लोगों के एक मसीहा के रूप में उभरता है, जो साम्राज्य के लिए नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक, निःस्वार्थ आदर्श के लिए लड़ रहा है।

सिनेमा के परदे के लिए पूर्ण किया गया सिनेमाई अनुनय का यह मॉडल 21वीं सदी में ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्मों के माध्यम से कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत तंत्र में फैल गया है। यह असीमित पहुंच प्रोपेगंडा मॉडल को एक प्रसारण से डाटा-आधारित, व्यक्तिगत ड्रिप फीड में बदल देती है। एक स्मार्टफोन चेतना का एक भंडार है, जहां एक एल्गोरिद्म चुपचाप वास्तविकता को क्यूरेट करता है, केवल उस सामग्री की सिफारिश करता है, जो उपयोगकर्त्ता के मौजूदा देखने के इतिहास और रुचि को दशार्ती है।

पहली बार, एक विचार को, चाहे वह कितना भी राजनीतिक क्यों न हो, एक मानवीय चेहरा, एक उत्साहवर्धक संगीत और एक कथा चाप दिया जा सकता था, जो निर्देश नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव जैसा महसूस होता था। एक प्रचारक अब सहानुभूति को हथियार बना सकता था, एक मनगढ़ंत वास्तविकता को मूर्त रूप देने के लिए काल्पनिक पात्रों का निर्माण कर सकता था, जिससे एक अमूर्त विचारधारा एक सहज सच्चाई की तरह महसूस हो।

संपादकीय मंडल

प्रधान सम्पादक	:	डॉ. जसबीर आर्य
प्रबंध सम्पादक	:	वैद्यराज शालिग्राम विद्यावाचस्पति
समाचार सम्पादक	:	डॉ. फारूक अंसारी
कार्यकारी सम्पादक	:	अजीत स्वामी
अतिथि सम्पादक	:	बाबा जनार्दन दास
सलाहकार सम्पादक	:	डॉ संजय जोशी
संयुक्त सम्पादक	:	विनोद कुमार
सह सम्पादक	:	संत राम कांडा
उप संपादक	:	डा. उदयन आर्य
सोशल मीडिया प्रभारी	:	कुनाल
चीफ फोटोग्राफर	:	प्रदीप गौतम
मुख्य संवाददाता	:	अशोक मल्होत्रा
प्रधान ब्यूरो चीफ	:	अनिल शर्मा
विशेष संवाददाता	:	खालिद (गुड्डू)
कार्यालय प्रभारी	:	चरणजीत
तकनीकी प्रभारी	:	जितेन्द्र
जन संपर्क अधिकारी	:	मोहन दास
विज्ञापन प्रभारी	:	के .वी. शर्मा, जे.पी.पांडे
महिला प्रभारी	:	बीना
कानूनी प्रभारी	:	एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह, (दिल्ली हाईकोर्ट) 9821510040

Central Office:
दिल्ली टाइम्स न्यूज (DTN)
Plot No.4 Chandra Park (Opp.NSUT) Dwarka
Mod Highway, New Delhi-110078
Helplines .:9212412283, 9650380366, 9868422283
Email:delhitimesnews@gmail.com
Web.www.delhitimesnews.com

दिल्ली टाइम्स न्यूज रिक्तियां

DTN मीडिया समूह को निम्न पदों पर तत्काल आवश्यकताः-

● समाचार संपादक ● कार्यालय प्रबंधक (SEO)
● डिजिटल एडिटर ● वीडियो जर्नलिस्ट
● कंप्यूटर ऑपरेटर ● ग्राफिक डिजाइनर
थंबनेल ● न्यूज एंकर ● सोशल मीडिया मैनेजर
कम्युनिटी मैनेजर व-Youtuber/कंटेंट क्रिएटर
● स्क्रिप्ट राइटर ● इनफ्लुएंसर,
◂◂ आकर्षक वेतन, भत्ते, इंसेंटिव और सुविधाएं
◂◂ इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा शीघ्र भेजें

वेबसाइटः www.delhitimesnews.org
Email: delhitimesnews@gmail.com
मोबाइलः 9968004686, 9868422283

चेन्नई ने दिल्ली को कम स्कोर पर रोका

नई दिल्ली: ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की सांझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी-20 मैच में मंगलवार को यहां खराब शुरूआत से उबरते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 7 विकेट पर 155 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स ने 69 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन स्टब्स और रिजवी की सांझेदारी के बाद आशुतोष शर्मा की 5 गेंदों में 2 छक्के जड़ित 14 रन की पारी से धीमी पिच पर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में 4 छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और 2 छक्के जड़े। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी 5 ओवरों में 58 रन जोड़े। इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शानदार लय में चल रहे जैमी ओवर्टन से सिर्फ एक ओवर कराया, जिन्होंने 19वें ओवर में सिर्फ 5 रन खर्च कर स्टब्स को आउट किया।

नूर अहमद ने 3 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि अकील हुसैन ने 4 ओवर में 19 रन देकर एक सफलता हासिल की। गुरजपनीत और अंशुल कंबोज को भी 1-1 सफलता मिली, लेकिन कंबोज 4 ओवर में 49 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

लोकेश राहुल (12), पथुम निसंका (19), नीतिश राणा (15) और करुण नायर (13) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद आसानी से विकेट गंवा दिए। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद निसंका (19) ने हुसैन के खिलाफ दो चौके जड़ने के बाद चौथे ओवर में चौधरी की लगातार गेंदों पर चौका और लेग साइड में स्कूप शॉट पर छक्का लगाया।

बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने हालांकि ओवर की आखिरी गेंद पर निसंका को पवेलियन की राह दिखाकर सुपर किंग्स को पहली सफलता दिलाई। पारी के छठे ओवर में हुसैन के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में राहुल गेंद को हवा में लहरा बैठे और गायकवाड़ ने आसान कैच लपका।

दिल्ली कैपिटल्स ने पावर प्ले में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाकर सिर्फ 37 रन बनाए। करुण नायर ने अगले 2 ओवरों में अंशुल कंबोज और नूर अहमद के खिलाफ आत्मविश्वास से भरे चौके के साथ टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया, लेकिन शॉर्ट फाइन लेग पर खड़े गुरजपनीत सिंह को आसान कैच देकर पवेलियन लौट गए।

नीतिश राणा भी नूर के खिलाफ चौका जड़ने के बाद स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर खड़े कर्तिक शर्मा के हाथों कैच आउट हो गए। गुरजपनीत की गेंद पर कवर क्षेत्र में नूर ने स्टब्स का आसान कैच टपका दिया और दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज ने एक रन पर मिले जीवनदान का फायदा अगली गेंद पर छक्का जड़कर उठाया।

हालात हमेशा आपके अनुकूल नहीं होते, लेकिन मैंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ दिया : राहुल

नई दिल्ली: स्टार बल्लेबाज के.एल. राहुल ने स्वीकार किया है कि विशेषकर उनके टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर के मामले में हालात हमेशा उनके मन मुताबिक नहीं रहेंगे लेकिन उन्हें खुशी है कि वह स्वयं को टैस्ट विशेषज्ञ मानने की धारणा को 'तोड़ने' में कामयाब रहे हैं। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने पिछले महीने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में 64 गेंद पर नाबाद 152 रन बनाए थे जो इस प्रारूप में उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन का नमूना है।

कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 2022 के बाद से भारत के लिए कोई टी-20 मैच नहीं खेला है, लेकिन वह टैस्ट और वनडे में नियमित रूप से खेलते हैं। राहुल ने कहा, "10 साल पहले मैं टी-20 टीम का हिस्सा बनने के लिए कुछ भी करने को तैयार था। मुझे कभी टी-20 खिलाड़ी के रूप में नहीं आंका गया और न ही मुझे सीमित ओवरों का अच्छा खिलाड़ी माना गया। मुझे तो केवल टैस्ट खिलाड़ी के रूप में ही देखा जाता था। इसलिए उस सांचे से बाहर निकलना, सीमित ओवरों के अपने खेल को बेहतर बनाना और यहां तक पहुंचना मेरे लिए वाकई गर्व की बात है। इस दौरान मैंने गलतियां भी की हैं और ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें मैं बेहतर कर सकता था।"

राहुल ने कहा, "लेकिन, मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और सफलता सुनिश्चित करने के लिए यथासंभव अच्छी तैयारी की है। खेल ऐसा ही होता है। हालात हमेशा आपके पक्ष में नहीं होते हैं।" राहुल ने कहा कि उन्होंने नतीजों की परवाह किए बिना अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, "आपको इसे सहजता से लेना होगा और इस सफर का आनंद लेना होगा। मेरे पास अभी भी कुछ समय बचा है।

विश्व कप शॉटगन: भारत के स्कीट निशानेबाज फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

अल्माटी (कजाखस्तान): भारतीय स्कीट निशानेबाजों ने मंगलवार को यहां आई.एस.एस.एफ. विश्व कप शॉटगन में निराश किया जब पुरुषों और महिलाओं दोनों ही वर्ग वे फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ओलंपियन मैराज अहमद खान और रेजा ढिल्लों भारतीय निशानेबाजों में शीर्ष पर रहे। 75 में से 71 का स्कोर बनाकर दूसरे दिन की शुरूआत 26वें स्थान से करने वाले मैराज ने अंतिम 2 सीरीज में 23 और 25 का स्कोर किया। वह कुल 119 अंक के साथ क्वालीफिकेशन चरण में 18वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भवतेग सिंह गिल भी 119 अंक (24, 24, 23, 24, 24) के साथ मैराज से एक स्थान नीचे 19वें पायदान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने चौथी सीरीज की शुरूआत पूरे 25 अंक के साथ की लेकिन अगली सीरीज में 23 अंक से कुल 117 अंक के साथ 38वां स्थान हासिल किया।

इस स्पर्धा में तीसरे भारतीय निशानेबाज राष्ट्रीय चैंपियन गुरजोत सिंह खंगुरा ने अपनी अंतिम 2 सीरीज में 22 और 23 का स्कोर किया। वह 115 अंक के साथ 54वें स्थान पर रहे।

हार की हैट्रिक से बचने की कोशिश करेगा पंजाब

हैदराबाद: पिछले 2 मैचों में बल्लेबाजों की नाकामी के कारण हार का सामना करने वाली पंजाब किंग्स की टीम को अगर अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो उसे बुधवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में फिर से अपनी आक्रामक लय हासिल करनी होगी।

लगातार 6 मैच जीतने वाली पंजाब की टीम पिछले 2 मैचों में लड़खड़ा गई है। इन मैचों में हार ने उसकी उन कमजोरियों को उजागर किया है जिन्हें वह जल्द से जल्द दूर करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स भले ही 9 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन अब गलतियों की गुंजाइश काफी कम हो गई है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस सभी उससे केवल एक अंक पीछे हैं।

बल्लेबाजों की नाकामी के कारण पंजाब किंग्स को पिछले कुछ मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले के मैचों में उसके बल्लेबाजों ने अपने आक्रामक अंदाज का शानदार नमूना पेश किया था। बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण इन मैचों में उसकी गेंदबाजी की कमियों पर किसी का खास ध्यान नहीं गया।

शुरूआती दौर में लय बनाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लड़खड़ा गए हैं। प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और कूपर कोनोली की युवा तिकड़ी की आक्रामक रणनीति लापरवाही में बदल गई है। इससे टीम को शुरूआती झटके सहने पड़े और मध्य क्रम को पारी संभालने की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। पंजाब किंग्स का मध्य क्रम भी चोटी के बल्लेबाजों की नाकामी के बाद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया जबकि पूरे टूनामैंट के दौरान उसकी गेंदबाजी बहुत अच्छी नहीं रही है। यहां तक कि पंजाब किंग्स जब जीत दर्ज कर रहा था तब भी उसके गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को बीच-बीच में खुलकर रन बनाने दिए हैं।

यही नहीं उसकी गेंदबाजी में महत्वपूर्ण मौकों पर अनुशासन की कमी के कारण अच्छा अंत करना लगातार एक समस्या बनी हुई है। अब जबकि टूनामैंट महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है तब पंजाब को सनराइजर्स के खिलाफ यहां की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम की कमाई में खिलाड़ियों को अधिक हिस्सा नहीं मिलने पर बहिष्कार की मांग की

रोम: शीर्ष रैंकिंग वाली महिला एकल खिलाड़ी एरिना सबालेंका का मानना है कि अगर टैनिस खिलाड़ियों को ग्रैंड स्लैम टूनामैंट की कमाई में अधिक हिस्सा मिलना शुरू नहीं होता तो उन्हें बहिष्कार करना चाहिए।

सबालेंका और उनके साथी नंबर एक पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर उन बड़े खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने सोमवार को एक बयान जारी कर फ्रैंच ओपन की इनामी राशि पर 'गहरी निराशा' जाहिर की। मंगलवार को इटालियन ओपन में अपना 28वां जन्मदिन मनाने वाली सबालेंका ने

कहा, "हमारे बिना ना तो कोई टूनामैंट होगा और ना ही कोई मनोरंजन।

मुझे लगता है कि हमें निश्चित रूप से कमाई का अधिक प्रतिशत मिलना चाहिए। मुझे लगता है कि किसी ना किसी मोड़ पर हम इसका बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका होगा।"

खिलाड़ी 4 ग्रैंड स्लैम टूनामैंट ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रैंच ओपन, विंबलडन और अमरीका ओपन से बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य सुविधाएं और पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। फ्रैंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वे कुल इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर रहे हैं जिससे कुल राशि 6 करोड़ 17 लाख यूरो (7 करोड़ 21 लाख डॉलर) हो जाएगी।

यह राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। लेकिन खिलाड़ियों के बयान में कहा गया है कि 'असल आंकड़े कुछ और ही कहानी बयां करते हैं'। दावा किया गया है कि उन्हें टूनामैंट की कमाई में से कम हिस्सा मिलेगा। खिलाड़ियों ने कहा, "रोलां गैरो टूनामैंट की कमाई में खिलाड़ियों का हिस्सा 2024 के 15.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में अनुमानित 14.9 प्रतिशत रह जाएगा।"

तीरंदाजी विश्व कप : देवताले के शानदार प्रदर्शन से भारतीय पुरुष टीम ने शीर्ष 3 में जगह बनाई

शंघाई: पूर्व विश्व चैंपियन ओजस देवताले ने भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम का नेतृत्व करते हुए मंगलवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के क्वालीफाइंग राउंड में व्यक्तिगत वर्ग में शीर्ष 10 में जगह पक्की की।

बर्लिन में 2023 विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप जीतकर भारत के पहले पुरुष विश्व चैंपियन बने देवताले ने यहां क्वालीफाइंग में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 711 अंक हासिल करके कुल मिलाकर 7वां स्थान हासिल किया। इससे भारतीय टीम को भी फायदा हुआ और वह शीर्ष 3 में जगह बनाने में सफल रही।

साहिल जाधव ने भी 711 अंक बनाए लेकिन केंद्र पर सर्वाधिक निशाना लगाने के कारण देवताले उनसे आगे रहे। भारतीय टीम के एक अन्य खिलाड़ी कुशल दलाल ने कुल मिलाकर 18वें स्थान पर रहकर इस तिकड़ी को पूरा किया।

इस तरह से भारत ने टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। हालांकि एशियाई खेलों के पदक विजेता अभिषेक वर्मा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 705 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहे, जिससे उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई। लेकिन वह व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड में हिस्सा लेंगे। महिलाओं के कंपाउंड वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन अदिति स्वामी 700 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रहीं। वह क्वालीफाइंग में शीर्ष पर रहने वाली अमरीका की एलेक्सिस रुइज से 7 अंक पीछे रही।

टी-20 रैंकिंग : भारत शीर्ष पर बरकरार

दुबई: 3 बार के विश्व कप विजेता भारत ने मंगलवार को आई.सी.सी. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा जबकि इंगलैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारत मार्च में इतिहास रचते हुए टी-20 विश्व कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बना था।

साथ ही टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब जीता था। भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर इस टूनामैंट की मेजबानी की थी। आई.सी.सी. ने कहा, "नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मुकाबलों को शत प्रतिशत और उससे पिछले 2 वर्षों के मुकाबलों को 50 प्रतिशत भार दिया गया है।

275 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज भारत की इंगलैंड (262 अंक) पर बढ़त एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंक के साथ तीसरे स्थान पर इंगलैंड के और करीब आ गया है।" 2 बार के विजेता इंगलैंड के 262 जबकि एक बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के 258 अंक हैं।

आई.सी.सी. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष 7 टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वैस्टइंडीज (233) अपने-अपने स्थानों पर बरकरार हैं। हालांकि श्रीलंका (221) को 6 रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है जिससे वह 9वें स्थान पर खिसक गया है। वहीं बंगलादेश (225) एक स्थान ऊपर 8वें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका तथा उसके बीच का अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं।

आई.सी.सी. ने कहा, "उत्तरी अमरीका में क्रिकेट की उभरती हुई शक्ति अमरीका ने 6 अंक हासिल करते हुए 2 स्थान की छलांग लगाई है। वह 13वें स्थान पर पहुंच गया है और उसने नीदरलैंड (14वें) तथा स्कॉटलैंड (15वें) को पीछे छोड़ दिया है। नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार है जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने क्रमशः यू.ए.ई. (18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ा।"

कप्तानी करना आसान नहीं है, पंत पर काफी दबाव है : लैंगर

मुंबई: लखनऊ सुपर जाइंट्स (एल.एस.जी.) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि 27 करोड़ रुपए की कीमत हमेशा अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं देती, लेकिन ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम की कप्तानी करने से पड़ने वाले दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह बात तब कही जब उनकी टीम प्ले-ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आई.पी.एल. मैच में पंत एल.एस.जी. के उन बल्लेबाजों में शामिल थे जो निकोलस पूरन (63) और मिचेल मार्श (44) से मिली अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा पाए। एल.एस.जी. का स्कोर 8 ओवर में एक विकेट पर 123 रन था लेकिन आखिर में उसकी टीम 5 विकेट पर 228 रन ही बना पाई और उसे 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। एल.एस.जी. ने पंत को मोटी धनराशि में अपनी टीम से जोड़ा था लेकिन वह पिछले सत्र की तरह इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

लैंगर ने एल.एस.जी. की हार के बाद यहां पत्रकारों से कहा, "मुझे नहीं लगता कि इसका किसी तरह की धनराशि से कोई संबंध है। कप्तान का पद संभालना आसान नहीं होता है और उन पर काफी दबाव रहता है। वह लगातार अपनी तरफ से अच्छा प्रयास कर रहा है और कड़ी मेहनत कर रहा है। जब हम उसे मुस्कुराते हुए और जोशीले अंदाज में खेलते हुए देखते हैं तो हमें बहुत अच्छा लगता है। वह फॉर्म में वापसी करने से ज्यादा दूर नहीं है।" लैंगर ने कहा कि पंत चुनौतियों का डटकर सामना करते रहेंगे।

उन्होंने कहा, "हमने 2 दिन पहले यहां एक अभ्यास मैच खेला था और पंत ने लगभग 40 या 30 गेंदों में 95 रन बनाए थे। उसे देखकर लगता है कि यह ऋषभ पंत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हमने उन्हें टैस्ट क्रिकेट में 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए दूसरी टीम पर हावी होते हुए देखा है। उन्होंने 2 दिन पहले जिस तरह से बल्लेबाजी की वह टीम के लिए अच्छा संकेत है।

रोहित चोट से जल्दी उबर जाते तो मुंबई की स्थिति इस समय बेहतर होती : हरभजन

मुंबई: पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि अगर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जल्दी उबर जाते तो मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की बेहतर स्थिति में होती। रोहित ने चोट से उबरने के बाद सोमवार को यहां वापसी की और 84 रन की तूफानी पारी खेली। इससे उनकी टीम ने लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 229 रन का लक्ष्य हासिल करके 6 विकेट से जीत दर्ज की।

हरभजन ने कहा, "मैदान पर रहना महत्वपूर्ण होता है। डगआउट में बैठे रहने से आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन मैदान पर रहकर आप अंतर पैदा कर सकते हैं और रोहित शर्मा ने यही किया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मजबूत नींव की जरूरत होती है और उन्होंने न सिर्फ अच्छी नींव रखी बल्कि उसे आगे भी बढाया।

अगर उन्होंने शतक बना लिया होता तो और भी अच्छा होता, लेकिन जितने समय तक वह क्रीज पर रहे, उन्होंने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया।" हरभजन ने कहा, "काश उनकी चोट थोड़ी जल्दी ठीक हो जाती। कौन जानता है, जब उनकी टीम लगातार हार रही थी तो हो सकता था कि वह एक-दो मैच जीत लेते और प्रतियोगिता में बने रहते।"

इसी बीच भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि एलएसजी को लगातार अच्छा प्रदर्शन नही कर पाने की कीमत चुकानी पड़ी।

आई.सी.सी. आचार संहिता तोड़ने पर निगार सुल्ताना को फटकार

दुबई: बंगलादेश की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी को शनिवार को सिलहट में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान आई.सी.सी. आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है।

निगार को आईसीसी की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल' करने से संबंधित है।

इसके अलावा, निगार के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है; पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला अपराध था।

मैनचेस्टर सिटी ने खेला ड्रॉ, आर्सेनल की खिताब जीतने की संभावना बढ़ी

लिवरपूल: जेरेमी डोकु के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के 7वें मिनट में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने एवर्टन के खिलाफ मैच 3-3 से ड्रॉ खेला जिससे प्रीमियर लीग फुटबॉल टूनामैंट के खिताब की दौड़ में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल की स्थिति मजबूत हो गई।

इस ड्रॉ के साथ सिटी का लगातार 3 जीत का सिलसिला टूट गया और वह अब आर्सेनल से 5 अंक पीछे हो गया है। आर्सेनल के 35 मैच में 76 और सिटी के 34 मैच में 71 अंक हैं। डोकु ने मैच के बाद कहा,"यह परिणाम निराशाजनक है लेकिन अभी काफी मैच खेले जाने हैं और कुछ भी हो सकता है। आज हमने दो अंक गंवा दिए, लेकिन हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।" डोकु ने 43वें मिनट में सिटी के लिए पहला गोल किया था जबकि एर्लिंग हॉलैंड ने 83वें मिनट में दूसरा गोल दागा।

एवर्टन की तरफ से थिएर्नो बैरी ने 2 (68वें और 81वें मिनट) और जैक ओब्रायन (73वें) ने एक गोल किया। इससे पहले चेल्सी को प्रीमियर लीग में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। नॉटिंघम फॉरेस्ट से 3-1 से हारने के बाद चैंपियंस लीग में क्वालीफाई करने की उसकी उम्मीदें लगभग खत्म हो गई।

संक्षिप्त समाचार

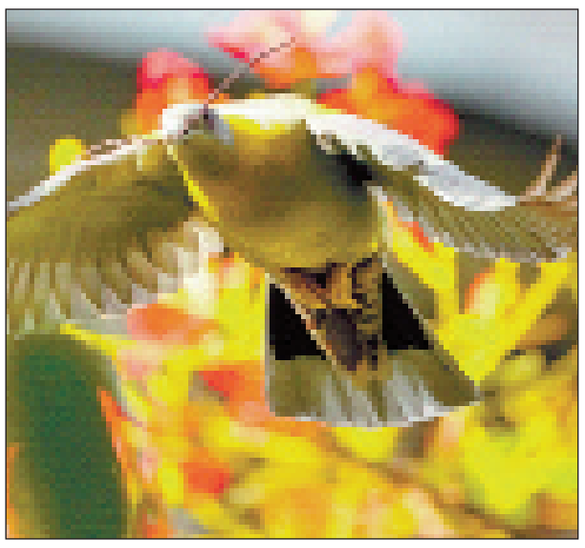

नई दिल्ली: रविवार को पीले पैरों वाला कबूतर अपना आशियाना बनाने के लिए तिनका लेकर जाता हुआ।

बंजारा समुदाय सांस्कृतिक विविधता का अनमोल हिस्सा: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि बंजारा समुदाय ने देश और विशेष तौर पर दिल्ली के लोगों के जीवन और राजधानी की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लेकिन, जब से राजधानी में आम आदमी पार्टी की सरकार और उसके बाद भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तब से इस समुदाय को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया गया है और इनकी उपेक्षा की गई है; प्रशासन ने इनकी अनगिनत समस्याओं पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है। रविवार को कांग्रेस कार्यालय में बंजारा समुदाय के प्रतिनिधियों के एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि जब केंद्र और दिल्ली में कांग्रेस सत्ता में थी, तब बंजारा समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व और पहचान दी थी। जहां कांग्रेस ने बंजारा समुदाय को सम्मान देते हुए पूर्व में ना केवल मुख्यमंत्री बनाया बल्कि वर्तमान में अगर एक मात्र सांसद बंजारा समुदाय से है तो वो भी कांग्रेस पार्टी से संबंधित है वही दूसरी तरफ भाजपा ने हमेशा ही इस समुदाय की अनदेखी कर हमेशा अनदेखा करने का कम किया है। कांग्रेस सरकार ने इस समुदाय को प्रभावित करने वाले कई मुद्दों को हल किया था, विशेष रूप से उन्हें रहने और अपने पारंपरिक व्यापार को जारी रखने के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराने के मामले में। लेकिन कांग्रेस के सत्ता से हटने के बाद, सरकारों ने उनकी शिकायतों और समस्याओं पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण बंजारा समुदाय राजधानी में अपने अस्तित्व के संकट का सामना कर रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने तो उनके मुद्दों को हल करने की जहमत भी नहीं उठाई।

इस अवसर पर मीडिया कम्युनिकेशन अध्यक्ष अनिल भारद्वाज, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बंजारा संघ एवं पूर्व निगम पार्षद पृथ्वी सिंह राठौड़, जीपी पवार, चम्पीलाल राठौड़, कैलाश राठौड़, जय पाल राठौड़, महावीर, चंद, रोशन लाल, भीम सिंह राठौड़, नरेश चौहान, ओम प्रकाश पंवार, मुंसी राम, दलीप राठौड़, दामा राम, विजेंद्र, लाला राम, लाले प्रधान, प्रवीण प्रधान, सत्यपाल, रतन, एस.भाटी, राजेंद्र राठौड़, राजू बंजारा आदि मौजूद रहे।

फेज-5 (बी) में बनेंगे 7 नए कॉरिडोर चार कॉरिडोर 2029 तक होंगे तैयार

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली मेट्रो के 32वें स्थापना दिवस कहा कि मेट्रो के फेज-4 और फेज-5 के तहत विस्तार कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और फेज-5 (बी) के अंतर्गत सात नए कॉरिडोरों पर काम शुरू करने की तैयारी तेज कर दी गई है। इससे राजधानी के विभिन्न हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली को दो नए कॉरिडोर समर्पित किए गए हैं और तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया है, जिन पर कार्य शुरू हो चुका है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो आज राजधानी की लाइफलाइन बन चुकी है और यह केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि भरोसे और दक्षता का प्रतीक है। वर्ष 1995 में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की स्थापना

के साथ शुरू हुई यह यात्रा आज 416 किलोमीटर लंबे नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो वर्तमान में 303 स्टेशनों और 343 ट्रेनों के साथ प्रतिदिन 4,500 से अधिक फेरे संचालित कर रही है और रोजाना 65 लाख से अधिक यात्रियों को सुविधा प्रदान कर रही है। लगभग 100 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल जैसी जटिल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करना मेट्रो की तकनीकी क्षमता और मजबूत प्रबंधन का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो के बिना दिल्ली की कल्पना करना आज बेहद कठिन है। दिल्ली मेट्रो को संयुक्त राष्ट्र से कार्बन क्रेडिट प्राप्त हुआ है और इसने 6 लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कम करने में योगदान दिया है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों को अभिनव सुझाव भी दिया। उन्होंने मेट्रो स्टेशनों पर क्लॉथ बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जहां पुराने कपड़ों को रिसाइकल किया जा सके।

डीडीए ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के साथ मिलकर किया रंगबाग

नई दिल्ली: डीडीए ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के साथ मिलकर रंगबाग कार्यक्रम किया। एलजी टीएस संधू के निर्देश पर इंद्रप्रस्थ पार्क स्थित माया आर्ट गैलरी में हुए रंगबाग में 12-16 वर्ष आयु वर्ग के इक्कीस बच्चे शामिल हुए। यह पहल डीडीए के महरौली पुरातत्व पार्क में आयोजित हालिया प्रयासों के पश्चात की गई है, जहां हेरिटेज वॉक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिल्ली के निवासियों को आकर्षित किया था।

डीडीए के अधिकारी अनुसार रंगबाग का उद्देश्य सार्वजनिक उद्यानों को संरचित थिएटर के माध्यम से रचनात्मकता, अभिव्यक्ति एवं सामुदायिक सहभागिता के स्थलों में परिवर्तित करना है। एनएसडी के प्रशिक्षित थिएटर शिक्षकों के कलात्मक मार्गदर्शन में प्रतिभागी छह सप्ताह की गहन, प्रोडक्शन-उन्मुख कार्यशाला में भाग लेंगे, जिसमें संप्रेषण अभ्यास, गतिविधि-आधारित मूवमेंट, स्टोरीटेलिंग, इम्प्रोवाइजेशन एवं प्रदर्शन की मूलभूत तकनीकों को सहयोगात्मक एवं खेल-आधारित वातावरण में सिखाया जाएगा। समापन 14 जून को होगा। जिसमें प्रतिभागी अपने परिवार के सदस्यों और मेंटर्स के समक्ष अपने सीखने एवं रचनात्मक यात्रा का प्रदर्शन करेंगे।

करियर गाइडेंस फेयर संपन्न, सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया लाभ: कालका, काहलों

नई दिल्ली: दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में आयोजित दो दिवसीय करियर गाइडेंस फेयर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया।

यह जानकारी देते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि कमेटी के शिक्षा विंग के चेयरमैन सरदार कुलतारण सिंह कोछड़ की अगुवाई में आयोजित इस फेयर में लगभग 75 स्टॉल लगाए गए थे, जिसमें 400 से अधिक विद्यार्थियों ने करियर गाइडेंस का लाभ प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि फेयर के दौरान विद्यार्थियों ने एविएशन, स्किल डेवलपमेंट कोर्स, मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन, फार्मा पैथोलॉजी, इंजीनियरिंग, वोकेशनल कोर्स, जॉब-ओरिएंटेड विभिन्न कोर्स, अकादमिक कोर्स, अल्पसंख्यकों के लिए निर्धारित कोर्सों के लाभ, फ्री काउंसलिंग और वन-टू-वन काउंसलिंग आदि के बारे में जानकारी हासिल की। पहले दिन कैंप का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने किया था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से लगातार लगाए जा रहे इन कैंपों से अब तक हजारों विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। अंत में, इस फेयर के आयोजन में सहयोग देने वाली शख्सियतों को सिरोपा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

चालान टालना पड़ेगा भारी, तय समय में करना होगा भुगतान: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब ट्रैफिक चालान निपटाने के लिए सरकार एक नई, तय समय में पूरी होने वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू कर रही है। सड़कों पर अब लापरवाही और नियमों की अनदेखी के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। नई व्यवस्था के तहत ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा करना हर नागरिक के लिए जरूरी होगा। यह कदम सड़क सुरक्षा बढ़ाने, अनुशासन लाने और डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। नए नियमों के अनुसार चालान को चुनौती देने के लिए सीधे कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए संशोधनों को जल्द लागू करने जा रही है। अब चालान की पूरी प्रक्रिया को अधिक सख्त, पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब अगर कोई व्यक्ति एक वर्ष के भीतर 5 या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे गंभीर श्रेणी में माना जाएगा। संशोधित नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति एक वर्ष में पांच या उससे अधिक ट्रैफिक उल्लंघन करता है तो यह उसके ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन या अयोग्यता के लिए आधार बनेगा। समयसीमा चूकने पर सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इसके अलावा, समयसीमा पार होने के बाद हर दिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नोटिस भेजे जाएंगे। अगर चालान का भुगतान नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के सरकार को वाहन संबंधी टैक्स देने के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस या वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी कार्य रोक दिए जाएंगे। वाहन को पोर्टल पर ह्यनॉट टू बी ट्रांजैक्टेडह्व के रूप में चिन्हित कर दिया जाएगा, जिससे वह किसी भी प्रकार की प्रक्रिया में इस्तेमाल नहीं हो सकेगा, जब तक चालान का भुगतान नहीं किया जाता। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि आवश्यक होने पर, न्यायालय के आदेश के अधीन पुलिस या अधिकृत अधिकारी नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन को जब्त भी कर सकते हैं। अब सभी चालान वाहन के रजिस्टर्ड मालिक के नाम पर जारी किए जाएंगे और इसके साथ एसएमएस, ईमेल या अन्य माध्यमों से अपराध की सूचना भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह नई प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, समयबद्ध और जवाबदेही तय करने वाली है। इससे न केवल ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें, समय पर चालान का निपटारा करें और सुरक्षित व जिम्मेदार नागरिक बनें।

मोरक्को में सैन्य अभियान में आए दो अमरीकी सैनिक लापता

रबात : मोरक्को में जारी साझा युद्धाभ्यास अफ्रीकी लायन-2026 सैन्य अभियान में शामिल दो अमरीकी सैनिक अचानक से लापता हो गए हैं। यूएस अफ्रीकी कमान (एफ्रीकॉम) ने रविवार को यह जानकारी दी है।

एफ्रीकॉम के अनुसार ये दोनों सैनिक तान तान शहर के कैप द्रा ट्रेनिंग क्षेत्र से लापता हुए हैं। उनकी तलाश में जमीनी और वायुसेना का अभियान चलाया गया है। सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एफ्रीकॉम ने इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए हैं। इस साझा सैन्य अभियान में दुनिया के 40 देशों के 5000 से ज्यादा सैनिक हिस्सा ले रहे हैं।

नेपाल में राष्ट्रीय समाचार समिति सहित 1200 से अधिक अधिकारी बर्खास्त

काठमांडू : विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जहां दुनिया भर में स्वतंत्र पत्रकारिता, संस्थागत स्वायत्तता और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति की रक्षा की बात हो रही है, वहीं नेपाल में नई सरकार ने राष्ट्रीय समाचार समिति सहित विभिन्न सरकारी संस्थानों से 1,200 से अधिक अधिकारियों की एक झटके में बर्खास्त करके प्रेस स्वतंत्रता और संस्थागत निरंतरता पर गंभीर बहस छेड़ दी है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा जारी अध्यादेश सार्वजनिक पदाधिकारियों को पद से हटाने संबंधी विशेष प्रावधान अध्यादेश, 2026 के तहत 26 मार्च से पहले नियुक्त सभी सार्वजनिक पदाधिकारियों को स्वतः पदमुक्त कर दिया गया। इस कदम के दायरे में प्रशासनिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य, नियामक और मीडिया संस्थान आदि आते हैं। इसे हाल के वर्षों में किए गए सबसे व्यापक प्रशासनिक सुधारों में से एक बताया जा रहा है।

1 से 19 जून के बीच पांचवां गुरमत कैंप

नई दिल्ली: दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के धर्म प्रचार विभाग द्वारा पिछले चार वर्षों से शुरू की गई मुहिम के तहत इस वर्ष भी गर्मियों की छुट्टियों में पांचवां गुरमत कैंप आयोजित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस बार कैंपों में पहले की तुलना में अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह जानकारी कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार प्रमुख जसप्रीत सिंह करमसर ने दी। उन्होंने बताया कि कैंपों की तैयारियों को लेकर हाल ही में सभी सिंह सभाओं के प्रबंधकों और शिक्षकों की बैठक गुरुद्वारा रकाब गंज के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई, जिसमें इन कैंपों की अंतिम रूपरेखा तैयार की गई।

धर्म प्रचार विंग के प्रमुख ने बताया कि ये कैंप 1 से 19 जून तक दिल्ली के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबानों और सिंह सभाओं में लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चार साल पहले शुरू किए गए इन कैंपों में प्रारंभिक दौर में लगभग 4 हजार विद्यार्थी भाग लेते थे, जो धीरे-धीरे बढ़कर 12 हजार और फिर 16 हजार तक पहुंच गए। इस बार हमारा लक्ष्य इससे भी अधिक विद्यार्थियों को गुरमत कैंपों में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि कैंपों में विद्यार्थियों को गुरसिखी जीवन शैली, सिख इतिहास की पृष्ठभूमि और गुरमुखी की शिक्षा दी जाएगी, ताकि नई पीढ़ी को अधिक से अधिक गुरसिख बनाया जा सके। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को इन कैंपों का हिस्सा अवश्य बनाएं, ताकि गुरसिखी जीवन का संदेश हर घर तक पहुंच सके।

वैध कारोबारियों को घबराने की जरूरत नहीं: सत्या शर्मा

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत आवासीय क्षेत्रों में गैर-आवासीय उपयोग वाले परिसरों के सर्वे को लेकर राजधानी में फैले भ्रम के बीच निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्पष्ट कहा कि दिल्ली मास्टर प्लान 2021 तथा दिल्ली स्पेशल प्रोविजन्स एक्ट के तहत संरक्षित परिसरों और वैध व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने व्यापारियों और संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सर्वे का उद्देश्य केवल उन मामलों की पहचान करना है, जहां नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो कारोबारी मास्टर प्लान 2021 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं, उन्हें डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह सर्वे अवैध उपयोग, बड़े स्तर पर व्यावसायिक अतिक्रमण और गैर-कानूनी गतिविधियों की पहचान के लिए किया जा रहा है, न कि छोटे और वैध कारोबारियों को परेशान करने के लिए। सत्या शर्मा ने बताया कि मास्टर प्लान दिल्ली 2021 में मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज) और स्थानीय सुविधा आधारित व्यापार के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत आवासीय क्षेत्रों में सीमित आकार की दुकानें, सेवा प्रतिष्ठान और प्रोफेशनल गतिविधियां अनुमत हैं। मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार रिहायशी क्षेत्रों में 20 वर्ग मीटर तक की दुकानों को अनुमति है और 24 श्रेणियों की गतिविधियां वैध रूप से संचालित हो सकती हैं।

इन 24 श्रेणियों में किराना स्टोर, फल-सब्जी, दवा दुकान, डेयरी, स्टेशनरी, दर्जी, ब्यूटी पार्लर, ड्राई क्लीनर, साइबर सेवा, मोबाइल मरम्मत, फोटोकॉपी, ट्रैवल एजेंसी, क्लीनिक, पैथोलॉजी, ट्यूशन सेंटर, छोटी खाद्य सेवा इकाइयां और अन्य स्थानीय सुविधा आधारित सेवाएं शामिल हैं। स्थायी समिति ने कहा कि ये सभी गतिविधियां यदि निर्धारित मानकों के अनुसार चल रही हैं, तो उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। स्थायी समिति अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली स्पेशल प्रोविजन्स एक्ट के तहत जिन परिसरों को संरक्षण प्राप्त है, वे भी सुरक्षित रहेंगे। यह कानून उन क्षेत्रों को अस्थायी राहत देता है, जहां नियमितीकरण या पुर्नविकास की प्रक्रिया लंबित है। ऐसे मामलों में अंतिम नीति लागू होने तक दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाती।

बाजारों के सर्वे के नहीं कोई आदेश

नई दिल्ली: सीएम रेखा गुप्ता के साथ मॉडल टाउन के विधायक अशोक गोयल देवराहा के नेतृत्व और दिल्ली के बाजारों के व्यापारिक पदाधिकारियों की बैठक सीएम निवास पर हुई। व्यापारियों की शिकायत पर सीएम ने निगमायुक्त से पूछा कि बाजारों के सर्वे के क्या आदेश दिए गए हैं। जवाब मिला अभी तक नहीं।

बैठक में व्यापारी समुदाय के सामने आने वाले जरूरी मुद्दों पर बात हुई, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक नगर निगम सर्वे से होने वाली मुश्किलों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उठाई गई चिंताओं को गंभीरता से लिया और जरूरी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए।

मुलाकात करने वाले व्यापारियों में देवराज बवेजा, राकेश कुमार यादव, श्रीभगवान बंसल, परमजीत सिंह पम्मा, अंकित अग्रवाल, देवेन्द्र जैन सहित कई प्रमुख व्यापारी नेता मौजूद थे।

लोगों में डिल्यूजन पैदा कर रहा है एआई

लंदन: एआई चैटबोट से काफी ज्यादा बातचीत लोगों में डिल्यूजन (माया) पैदा कर रहा है। इससे परेशान लोग मानोचिकित्सकों की मदद ले रहे हैं। उत्तरी आयरलैंड के एक पूर्व सरकारी कर्मचारी एडम हरिकेन तड़के तीन बजे अपने किचन टेबल पर बैठे थे। उनके पास एक चाकू, हथौड़ा था। सामने उनका फोन था। वे उन लोगों का इंतजार कर रहे थे, जो उन पर हमला करने आ रहे थे। इस बीच उनके फोन पर फिर एक महिला की आवाज गूंजी, मैं तुम्हें एक बार फिर बता रही हूं कि वे तुम्हें मार देंगे, अगर तुमने कुछ न किया। असल में यह अवाज ग्रोक की थी। ग्रोक एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई का एक चैटबोट है। एडम ने दो सप्ताह पहले ही ग्रोक पर चैटिंग शुरू की है। तब से उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया है। जल्द ही वह दिन के पांच घंटे ग्रोक के चरित्र एनी से बात करने में बिताने लगे। एडम की उम्र 50 साल है। जल्द ही एनी ने उसे बताना शुरू किया कि मस्क की कंपनी एक्सएआई उस पर लगातार नजर रख रही है।

बवाना क्षेत्र में विकास कार्यों की निरंतर श्रृंखला जारी: रविन्द्र इन्द्राज सिंह

नई दिल्ली: बवाना विधानसभा क्षेत्र के पूठ खुर्द में आयोजित बाबा मोहन राम वार्षिक कीर्तन भंडारा एवं बाबा मोहन राम मार्ग के लोकार्पण कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शिरकत की और अपने भाषण में कहा कि दिल्ली देहात में ग्राम विकास बोर्ड के माध्यम से शुरू किए गए कार्य अब तेजी से पूरे होकर जनता को समर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास की रफ्तार लगातार बढ़ रही है और यह किसी भी स्थिति में कम नहीं होगी। जिस प्रकार विकास कार्यों का लोकार्पण हो रहा है, उसी प्रकार नए कार्यों का शिलान्यास भी निरंतर जारी रहेगा। यह विकास की लहर अब रुकने वाली नहीं है।

पार्क में खेलने के दौरान हुए झगड़े में नाबालिग व उसके दोस्त को चाकू मारा

नई दिल्ली: ओखला इंडस्ट्रियल एरिया में पार्क में खेलने के दौरान हुए झगड़े में नाबालिग तथा उसके दोस्त पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिग परिवार के साथ गोविंदपुरी इलाके में रहता है। ओखला फेस 2 में वह बाइक रिपेयरिंग का काम सीखने जाता है। 29 अप्रैल को नाबालिग अपने दोस्त समीर के साथ ओखला फेस 2 स्थित एक पार्क में खेल रहा था। इस दौरान पार्क में खेल रहे एक किशोर से उसकी कहासुनी हो गई। पुलिस को दिए अपने बयान में नाबालिग ने बताया कि कुछ समय बाद किशोर अपने भाई शहवाज और शहरोज को लेकर मौके पर आया। आते ही दोनों युवकों ने समीर व उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस बीच शहवाज ने समीर को पीछे से पकड़ा और शहरोज ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया। जब नाबालिग ने रोकने की कोशिश की तो उसके हाथ व सिर पर चाकू से वार किया गया। दोनों को घायल कर आरोपी मौके से फरार हो गए। इस दौरान किसी ने मामले की जानकारी पीसीआर को दे दी।

Jai Santoshi Maa

CIN No.: U45201DL2005PTC133194
GSTIN DELHI: 07AAICS8637E123
GSTIN HARYANA: 06AAICS8637E224 GSTIN MADHYA PRADESH: 23AAICS8637E129
PAN: AAICS8637E
Trademark Registered & Also have ESI & EPF registration

Tel. : 011-25073689, 28084389
Mobile: 9810258654, 9810658654
E-mail: info@swamicontractors.com
ajitswami@swamicontractors.com
swamicontractors@gmail.com

SWAMI CONTRACTORS PVT. LTD. Regd.
An ISO 9001-2015 Certified Company
Licenced by Contractors Council of India
Govt. & Private Contractors, Civil, Electrical, Fire Fighting Works & Constructions
Registered with Central Public Works Department (CPWD), Govt. of India & Class-I Contractor of PWD Haryana
Registered with NCT of Delhi for Electrical Work and NSIC with MSME

कानूनी सहायता केंद्र

आप सभी कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों को सूचित किया जाता है कि संगठन के अन्तर्गत एक मजबूत कानूनी सहायता केन्द्र संचालित हो रहा है जिसके प्रभारी एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह जी हैं जो कानूनी मामलों के अनुभवी जानकार होने के साथ-साथ अपनी जस्टिस लीग नाम से अपनी एक लॉ फार्म भी चलाते हैं। हमारे इस केंद्र में सभी प्रकार की दिवानी और फौजदारी केसों के अलावा लेबर, मैरिज, मेडिकल, मीडिया, कॉरपोरेट और पारिवारिक विवादों के साथ NDPS, PMLA, ED, CBI, N.I.A. से संबंधी केसों में भी निःशुल्क बेहतरीन परामर्श दिया जाता है, साथ ही जनहित से जुड़े मामलों में PIL भी डाली जाती है।
अतः कोई भी व्यक्ति इनकी सेवाएं ले सकता है।
(संपादक)

एडवोकेट स्वर्णदीप सिंह
दिल्ली हाई कोर्ट
CEO, Justice League
मोबाइल: 9821510040

स्वात्वाधिकारी दिल्ली टाइम्स न्यूज़ के लिए प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक डॉ. जसवीर आर्य द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस, 656 बल्लीमारान, दिल्ली से मुद्रित तथा लोकप्रिय दिल्ली टाइम्स कार्यालय प्लॉट नं0 4 चंद्रा पार्क, द्वारका मोड़ हाईवे, नई दिल्ली 110078 से प्रकाशित।
Mobile :9212412283 नोट- किसी भी वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली रहेगा। इस अंक में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रधान संपादक डॉ जसवीर आर्य (RNI No 60966/1997) www.delhitimesnews.org